जनसंचार व्यवस्था में ज्योतिष का वैश्विक स्वरूप

ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

मानव सभ्यता के विकासक्रम में ब्रह्माण्ड के साथ मनुष्य के संबंध को समझने की जिज्ञासा अत्यन्त प्राचीन है. प्रारम्भिक मानव ने जब आकाश में सूर्य, चन्द्रमा और नक्षत्रों की गति का नियमित अवलोकन किया, तब उसके मन में यह विचार उत्पन्न हुआ कि इन आकाशीय घटनाओं का पृथ्वी पर जीवन की घटनाओं के साथ कोई न कोई संबंध अवश्य होगा. यही जिज्ञासा धीरे-धीरे ज्योतिषीय चिंतन के रूप में विकसित हुई. प्राचीन भारत में ज्योतिष को वेदांग का स्थान प्राप्त हुआ, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इसे केवल भविष्यवाणी की कला नहीं बल्कि समय के ज्ञान, खगोलीय गणना और सामाजिक जीवन की व्यवस्था से संबंधित एक व्यवस्थित ज्ञान प्रणाली के रूप में समझा गया. भारतीय परम्परा में ग्रहों की गति, नक्षत्रों का क्रम, काल की गणना और मानव जीवन के विविध पक्षों के बीच संबंध स्थापित करने का प्रयास किया गया. इसी कारण ज्योतिष भारतीय सांस्कृतिक जीवन में गहराई से समाहित रहा और विवाह, कृषि, राज्य व्यवस्था तथा धार्मिक अनुष्ठानों के समय निर्धारण में इसका व्यापक उपयोग हुआ. समय के साथ ज्ञान के प्रसार के साधनों में परिवर्तन हुआ और ज्योतिष की प्रस्तुति के स्वरूप भी बदलते गए.

प्रारम्भ में यह ज्ञान मुख्यत: गुरु-शिष्य परम्परा के माध्यम से सुरक्षित और प्रसारित होता था. ज्योतिषाचार्य अपने शिष्यों को ग्रहगणित, नक्षत्रज्ञान और फलित सिद्धान्तों की शिक्षा देते थे. बाद के काल में पंचांगों और ज्योतिषीय ग्रंथों के माध्यम से यह ज्ञान समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचा. मुद्रण व्यवस्था के विकास ने इस प्रक्रिया को और अधिक विस्तार दिया और समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं में राशिफल स्तम्भों का प्रकाशन आरम्भ हुआ. बीसवीं शताब्दी में जब ध्वनि और दृश्य संचार साधनों का विकास हुआ, तब ज्योतिषीय विचारों को एक साथ विशाल जनसमूह तक पहुँचाना संभव हो गया. यही वह ऐतिहासिक चरण था जिसमें ज्योतिष की प्रस्तुति ने एक नया रूप ग्रहण किया—ऐसा रूप जिसमें सूचना, संवाद और प्रचार का समन्वय दिखाई देता है. इस रूप को आधुनिक संदर्भ में ज्योतिषीय इन्फोमर्शियल की अवधारणा के अंतर्गत समझा जा सकता है.

ज्योतिषीय इन्फोमर्शियल का मूल उद्देश्य ज्योतिषीय ज्ञान को व्यापक जनसमुदाय तक इस प्रकार प्रस्तुत करना है कि उसमें सूचना, मार्गदर्शन और आकर्षण का संतुलित समावेश हो. इस प्रकार की प्रस्तुति में ज्योतिषी ग्रहों की स्थिति, राशियों की प्रवृत्ति और कालचक्र के परिवर्तनों का विश्लेषण करते हुए यह बताने का प्रयास करते हैं कि मानव जीवन की घटनाएँ केवल संयोग का परिणाम नहीं बल्कि समय और ब्रह्माण्डीय व्यवस्था के साथ गहरे संबंध में घटित होती हैं. जब यह व्याख्या सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत होती है, तो यह केवल ज्ञान का संप्रेषण नहीं करती बल्कि समाज में एक व्यापक संवाद भी स्थापित करती है. समाजशास्त्रीय दृष्टि से यह प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आधुनिक समाज में विश्वास प्रणालियों के पुनर्गठन को दर्शाती है. आधुनिकता के साथ विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन के अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन लाया है, किन्तु इसके साथ ही जीवन की जटिलता और अनिश्चितता भी बढ़ी है. आर्थिक प्रतिस्पर्धा, सामाजिक परिवर्तन और व्यक्तिगत जीवन की चुनौतियों ने आधुनिक मनुष्य को भविष्य के प्रति अधिक संवेदनशील बना दिया है.

ऐसे वातावरण में ज्योतिषीय व्याख्या व्यक्ति को यह विश्वास प्रदान करती है कि जीवन की घटनाएँ किसी व्यापक कालचक्र का अंग हैं और उनका संबंध ब्रह्माण्डीय व्यवस्था से है. यह विश्वास व्यक्ति को मानसिक संतुलन और आश्वासन प्रदान कर सकता है. मनोवैज्ञानिक दृष्टि से ज्योतिषीय इन्फोमर्शियल की भूमिका अत्यंत रोचक है. मनुष्य अपने अनुभवों को समझने के लिए प्रतीकात्मक भाषा का उपयोग करता है. ज्योतिषीय भाषा भी इसी प्रकार की प्रतीकात्मक संरचना है जिसमें ग्रहों और राशियों को मानव व्यक्तित्व तथा जीवन की परिस्थितियों के प्रतीक के रूप में समझा जाता है. जब व्यक्ति अपने जीवन की घटनाओं को इन प्रतीकों के माध्यम से समझता है, तो उसे आत्मचिंतन और आत्मविश्लेषण का अवसर प्राप्त होता है. कई विद्वानों का मत है कि ज्योतिषीय परामर्श कभी-कभी मनोवैज्ञानिक परामर्श की भाँति कार्य करता है, क्योंकि इसमें व्यक्ति अपनी समस्याओं को व्यक्त करता है और उनके समाधान के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्राप्त करता है.

सांस्कृतिक दृष्टि से ज्योतिषीय इन्फोमर्शियल परम्परा और आधुनिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं. एक ओर इनमें प्राचीन ज्योतिषीय सिद्धान्तों, शास्त्रीय ग्रंथों और पारम्परिक मान्यताओं का उल्लेख किया जाता है, वहीं दूसरी ओर उनकी प्रस्तुति आधुनिक संचार साधनों के माध्यम से की जाती है. इस प्रकार पारम्परिक ज्ञान आधुनिक समाज के साथ संवाद स्थापित करता है और नई पीढ़ियों के लिए भी प्रासंगिक बना रहता है. भारत जैसे देश में जहाँ ज्योतिष का संबंध धार्मिक और सांस्कृतिक परम्पराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है, वहाँ इस प्रकार की प्रस्तुति समाज की सांस्कृतिक पहचान को भी सुदृढ़ करती है. आर्थिक दृष्टि से भी ज्योतिषीय इन्फोमर्शियल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. ज्ञान और परामर्श की सेवाएँ प्राचीन काल से ही समाज में महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं. ज्योतिषीय परामर्श भी इसी परम्परा का अंग है. आधुनिक युग में जब संचार साधनों का विस्तार हुआ, तब ज्योतिषीय सेवाएँ एक संगठित आर्थिक गतिविधि के रूप में विकसित होने लगीं. पंचांग, ज्योतिषीय ग्रंथ, परामर्श सेवाएँ, धार्मिक अनुष्ठान और संबंधित सामग्री—ये सभी गतिविधियाँ एक व्यापक सेवा क्षेत्र का निर्माण करती हैं. जनसंचार के माध्यम से ज्योतिषीय विचारों का प्रसार इस क्षेत्र को और अधिक विस्तृत बनाता है और इसे एक संगठित आर्थिक संरचना का रूप प्रदान करता है.

अंतत: यह कहा जा सकता है कि ज्योतिषीय इन्फोमर्शियल आधुनिक समाज में एक बहुआयामी सामाजिक प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसमें परम्परा, विश्वास, संस्कृति, मनोविज्ञान और अर्थव्यवस्था के विभिन्न आयाम एक दूसरे से जुड़े हुए हैं. यह प्रक्रिया यह भी दर्शाती है कि प्राचीन ज्ञान प्रणालियाँ समय के साथ कैसे परिवर्तित होती हैं और आधुनिक संचार व्यवस्था के माध्यम से नए रूप में पुन: स्थापित होती हैं. ज्योतिषीय प्रस्तुति केवल प्रचार या मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक संवाद है जिसके माध्यम से मनुष्य अपने जीवन, अपने समय और अपने ब्रह्माण्डीय संबंधों को समझने का प्रयास करता है. इसी कारण आधुनिक समाज में ज्योतिषीय इन्फोमर्शियल का अध्ययन केवल ज्योतिष के क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, सांस्कृतिक अध्ययन और संचार अध्ययन जैसे अनेक अकादमिक क्षेत्रों के लिए भी महत्वपूर्ण विषय बन जाता है.

जीवन की बाधाएं दूर करेंगे शनि देव के सरल उपाय

जीवन में बार-बार आ रही परेशानियां, आर्थिक तंगी, स्वास्थ्य समस्याएं या रिश्तों में तनाव अक्सर व्यक्ति को मानसिक रूप से कमजोर कर देते हैं. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इन समस्याओं के पीछे कई बार शनि देव की अशुभ स्थिति या शनि दोष भी कारण हो सकता है. शनि देव को न्याय का देवता माना जाता है, जो व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देते हैं.

शनिवार का दिन शनि देव को समर्पित होता है, इसलिए इस दिन किए गए उपाय विशेष रूप से प्रभावशाली माने जाते हैं. यदि सही श्रद्धा और नियम के साथ कुछ आसान उपाय किए जाएं, तो शनि की कृपा प्राप्त की जा सकती है और जीवन की परेशानियों से राहत मिल सकती है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ये उपाय न केवल शनि दोष को शांत करते हैं, बल्कि धन, स्वास्थ्य, करियर और पारिवारिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाते हैं. आइए जानते हैं ऐसे 9 सरल और प्रभावी उपाय, जिन्हें शनिवार को अपनाकर आप अपनी समस्याओं को कम कर सकते हैं.

ज्योतिष शास्त्र मेंशनि देव को कर्मफल दाता और न्याय का देवता माना गया है. ऐसा विश्वास है कि जब शनि की स्थिति कुंडली में कमजोर या अशुभ होती है, तो व्यक्ति को जीवन में कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है—जैसे आर्थिक तंगी, स्वास्थ्य परेशानियां, दांपत्य कलह और कोर्ट-कचहरी के मामले. ऐसे में शनिवार के दिन कुछ विशेष उपाय करने से शनि दोष को शांत किया जा सकता है और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है. सबसे सरल उपायों में पीपल के वृक्ष की पूजा करना शामिल है. शनिवार को पीपल के पेड़ के नीचे उड़द दाल अर्पित करना और जल चढ़ाना शुभ माना जाता है.

2 अप्रैल को मनाया जाएगा हनुमान जन्मोत्सव

चैत्र पूर्णिमा की तिथि के अनुसार 2 अप्रैल को मनाया जाएगा पर्व हनुमान जयंती. हिंदू धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे भगवान हनुमान के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है. हर साल यह पर्व चैत्र मास की पूर्णिमा को पड़ता है और भक्तों के लिए आस्था, शक्ति और भक्ति का प्रतीक होता है.

साल 2026 में हनुमान जयंती की तिथि को लेकर लोगों में थोड़ा भ्रम बना हुआ है, क्योंकि पूर्णिमा तिथि 1 और 2 अप्रैल दोनों दिन पड़ रही है. वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा 1 अप्रैल सुबह 7:08 बजे से शुरू होकर 2 अप्रैल सुबह 7-41 बजे तक रहेगी. हिंदू मान्यताओं में उदय तिथि का विशेष महत्व होता है, इसलिए इस वर्ष हनुमान जयंती 2 अप्रैल 2026 को मनाई जाएगी. इस पावन दिन भक्त हनुमान जी की विशेष पूजा-अर्चना, हनुमान चालीसा का पाठ और भजन-कीर्तन करते हैं. मान्यता है कि सही मुहूर्त में पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और संकटों से मुक्ति मिलती है. यह दिन भगवान हनुमान के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिन्हें शक्ति, भक्ति और संकट मोचन के देवता माना जाता है. देशभर में इस दिन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन का आयोजन होता है. भक्त बड़ी संख्या में मंदिरों में पहुंचकर दर्शन करते हैं और अपने जीवन की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं. हनुमान जयंती के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना और स्वच्छ वस्त्र धारण करना शुभ माना जाता है. इसके बाद घर या मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा या चित्र स्थापित कर विधिपूर्वक पूजा की जाती है. पूजा में सिंदूर, चमेली का तेल, लाल फूल और तुलसी अर्पित करना विशेष फलदायी माना जाता है. भोग के रूप में बेसन के लड्डू, गुड़ और चना अर्पित किए जाते हैं. पूजा के दौरान हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करना अत्यंत शुभ माना जाता है. इसके बाद आरती कर भगवान से सुख, शांति और रक्षा की प्रार्थना की जाती है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन सच्चे मन से की गई पूजा से भगवान हनुमान शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों के सभी कष्ट दूर करते हैं. यही कारण है कि यह पर्व भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है और पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है.

कामदा एकादशी पर पूजा-पारण का सटीक समय

कामदा एकादशी हिंदू धर्म में अत्यंत पुण्यदायी व्रत माना जाता है, जो भगवान को समर्पित होता है. मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा और नियमपूर्वक करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है. साल 2026 में कामदा एकादशी का व्रत 29 मार्च को रखा जाएगा, जबकि व्रत का पारण 30 मार्च को किया जाएगा. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एकादशी व्रत जितना महत्वपूर्ण होता है, उतना ही जरूरी उसका सही समय पर पारण करना भी होता है. यदि पारण विधि और मुहूर्त का पालन न किया जाए, तो व्रत का पूर्ण फल नहीं मिलता. इसलिए भक्तों के लिए यह जानना बेहद आवश्यक है कि पारण का सही समय क्या है और इसे किस विधि से करना चाहिए. कामदा एकादशी 2026 का व्रत 29 मार्च (चैत्र शुक्ल एकादशी) को रखा जाएगा, जबकि इसका पारण

30 मार्च को किया जाएगा. यह व्रत भगवान की आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है और श्रद्धालु पूरे विधि-विधान से इसे करते हैं. पूजा के लिए दिनभर कई शुभ मुहूर्त उपलब्ध रहेंगे. ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:42 से 05:28 बजे तक रहेगा, जो पूजा के लिए सबसे उत्तम माना जाता है. ध्यान रहे कि पारण द्वादशी तिथि समाप्त होने से पहले ही करना चाहिए, क्योंकि इसके बाद व्रत का पूर्ण फल नहीं मिलता. पारण विधि के अनुसार, सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें और भगवान विष्णु का गंगाजल और पंचामृत से अभिषेक करें. इसके बाद पीले चंदन, पुष्प और तुलसी अर्पित करें. घी का दीपक जलाकर 'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करें और भगवान की आरती करें. इसके बाद भोग अर्पित कर प्रसाद ग्रहण करें और विधिपूर्वक व्रत का पारण करें. ध्यान रखें कि पारण हमेशा सूर्योदय के बाद और हरि वासर समाप्त होने के पश्चात ही करना चाहिए.

अप्रैल में बनेगा राजयोग

5 राशियों का गोल्डन टाइम

अप्रैल 2026 ज्योतिष के लिहाज़ से बेहद खास माना जा रहा है, क्योंकि इस महीने कई बड़े ग्रहों के गोचर होने वाले हैं. इनमें सबसे महत्वपूर्ण बदलाव 6 अप्रैल को होगा, जब यानी शुक्र देव में प्रवेश करेंगे. ज्योतिष शास्त्र में शुक्र को सुख, वैभव, प्रेम और धन का कारक माना जाता है, और जब यह अपने ही नक्षत्र में आते हैं तो इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है.

इस खास गोचर का असर सभी 12 राशियों पर पड़ेगा, लेकिन 5 राशियों के लिए यह समय किसी गोल्डन पीरियड से कम नहीं होगा. इन लोगों के जीवन में धन, करियर और रिश्तों के क्षेत्र में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं. ज्योतिषियों के अनुसार, 6 अप्रैल से 16 अप्रैल के बीच का समय खास तौर पर लाभकारी रहेगा, जब शुक्र भरणी नक्षत्र में रहकर शुभ फल प्रदान करेंगे. ऐसे में यह समय नए अवसरों और तरक्की के दरवाजे खोल सकता है. अप्रैल 2026 में होने वाले ग्रह गोचर ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद प्रभावशाली माने जा रहे हैं. इस महीने कुल 17 बार ग्रहों की स्थिति में बदलाव होगा.

इस गोचर का सबसे अधिक लाभ मेष, वृषभ, मिथुन, कन्या और मीन राशि के जातकों को मिलने की संभावना है. मेष राशि वालों के लिए यह समय आत्मविश्वास और करियर में उन्नति लेकर आएगा. वहीं वृषभ राशि के लोगों को अचानक धन लाभ और आर्थिक स्थिरता मिलने के योग बन रहे हैं. मिथुन राशि के जातकों को नए संपर्क और करियर में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं. कन्या राशि वालों के लिए यह समय मेहनत का फल मिलने और आर्थिक मजबूती का संकेत दे रहा है. वहीं मीन राशि के लोगों के लिए यह गोचर नए अवसर और अधूरे कार्यों के पूर्ण होने का संकेत दे रहा है. ज्योतिषियों का मानना है कि 6 अप्रैल से 16 अप्रैल के बीच का समय विशेष रूप से फलदायी रहेगा, जब शुक्र भरणी नक्षत्र में रहकर धन और सुख-सुविधाओं में वृद्धि करेंगे. इसके बाद शुक्र के कृत्तिका नक्षत्र में प्रवेश करने से करियर से जुड़े नए अवसर सामने आ सकते हैं. इस दौरान कुछ उपाय भी बताए गए हैं, जैसे शुक्रवार को सफेद वस्तुओं का दान, देवी लक्ष्मी की पूजा, और ओम शुम शुक्रवार नमः मंत्र का जाप. इन उपायों को अपनाने से शुक्र के सकारात्मक प्रभाव को और बढ़ाया जा सकता है. कुल मिलाकर, अप्रैल 2026 का यह ग्रह गोचर कई लोगों के लिए नई शुरुआत, सफलता और आर्थिक समृद्धि का संकेत दे रहा है.

माणिक्य रत्न धारण करने से बढ़ता है आत्मविश्वास, लीडरशिप और यश

ज्योतिष शास्त्र में नौ ग्रहों से संबंधित नौ रत्नों का वर्णन मिलता है, जिनमें से माणिक्य या माणिक्य रत्न विशेष रूप से सूर्य ग्रह से जुड़ा माना जाता है.

इसे पहनने से न केवल व्यक्ति का आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता बढ़ती है, बल्कि कार्यों में सफलता, यश और सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ती है. लेकिन हर किसी के लिए माणिक्य रत्न पहनना शुभ नहीं होता. ज्योतिषियों के अनुसार जिन लोगों की कुंडली में सूर्य कमजोर है या सूर्य दोष मौजूद हैं, उनके लिए माणिक्य रत्न अत्यंत लाभकारी होता है. विशेष रूप से राशि के जातकों के लिए इसे धारण करना शुभ माना गया है. माणिक्य रत्न का गहरा लाल रंग और इसकी चमक इसे शक्ति और सम्मान का प्रतीक बनाती है. पुराने समय में राजा और योद्धा इसे सम्मान और शक्ति के लिए पहनते थे. आज भी इसे पहनने से आत्म-प्रतिष्ठा बढ़ती है, मानसिक मजबूती आती है और नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा मिलती है. माणिक्य रत्न अपने गहरे लाल रंग और चमक के कारण आसानी से पहचाना जा सकता है. यह सूर्य ग्रह से जुड़ा होने के कारण आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और यश को बढ़ाने में मदद करता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की कुंडली में सूर्य दोष या सूर्य कमजोर स्थिति में है, उनके लिए माणिक्य रत्न अत्यंत लाभकारी माना जाता है. माणिक्य रत्न पहनने से व्यक्ति को मानसिक मजबूती, कार्यक्षमता और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है. यह रचनात्मकता, संचार कौशल और जीवन में संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होता है.

राशिफल

दिनांक- 29 मार्च से 04 अप्रैल 2026 तक

ज्योतिषाचार्य पंडित
प्रियंका
नारायणशंकर व्यास,
कोतवाली बाजार,
जबलपुर मो.नं.
098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य मीन राशि में, मंगल कुम्भ राशि में ता. 2 को 3/4 दिन से मीन राशि में, बुध कुम्भ राशि में, गुरू मिथुन राशि में, शुक्र मेष राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा कर्क सिंह कन्या और तुला राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव :- ता. 2 अप्रैल को मीनस्थ भौम के प्रभाव से अलसी, सरसों, तिल, तेल, कपास, वस्त्र, सुपारी, सोना, चांदी में तेजी होगी.

पर्व-व्रत-त्यौहार :

रविवार	29 मार्च को	कामदा एकादशी व्रत, दोलोत्सव, दादा ठनठनपाल जी आनंद महोत्सव,
सोमवार	30 मार्च को	मदन द्वादशी, प्रदोष व्रत,
बुधवार	01 अप्रैल को	हनुमान प्रकटोत्सव, पूर्णिमा व्रत, अग्रोहाधाम मेला,
गुरूवार	02 अप्रैल को	वैशाख स्नान व्रत नियम प्रारम्भ,
शुक्रवार	03 अप्रैल को	कच्छपावतार, चित्रगुप्त प्रकटोत्सव,
शनिवार	04 अप्रैल को	वैशाखी बिशु, आशा द्वितीया, आशो दोज,

मेष

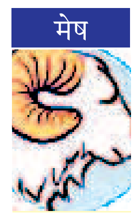

इस सप्ताह पुरानी परेशानी से छुटकारा मिलेगा, सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी, पार्टियों का दौरजारी रहेगा, दायरा बढ़ाने की कोशिश मेंरहेंगे. मौजमस्ती छोड़कर कुछ काम करने का मन बनेगा, संपत्ति संबंधी मामले सुलझेंगे. सप्ताहान्त में विरोधियों से सजग रहकर कार्य करें, राजकीय कार्यो में परिश्रम से सफलता मिलेगी.

वृषभ

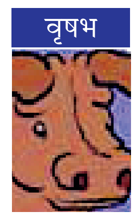

इस सप्ताह सफलता का योग है, अभी तक की नई मेहनत का लाभ मिलेगा, पारिवारिक व सामाजिक जीवन में अपने संबंधों को फिर घनिष्ठ संबंधों को फिर से बनाने में मदद मिलेगी, मानसिक संतोष के लिये कुछ दिन के लिये घर सेदूर जा सकते हैं, पारिवारिक सुरक्षा हेतु निवेश करेंगे. कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मेलजोल बढ़ायें. आपके लिये फायदेमंद हो सकता है.

मिथुन

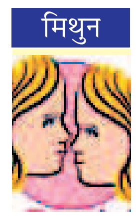

इस सप्ताह सफलता का अच्छा योग है, भाग्य अनुकूल बना रहने से मुश्किल कार्य भी आसानी से संपन्न होगा, अपनी मंजिल तक पहुंचाने के लिये आपने जितनी मेहनत की है, उसका लाभ मिलेगा, वैभव विलासिता पर खर्च होगा, जो लोग आपको नकारा समझते हैं,वे भी आपकी काबलियत की तारीफ करेंगे, सरकारी मामलों में कुछ विलंब हो सकता है.

कर्क

इस सप्ताह आर्थिक मामलों से निपटना होगा. पुराने कर्जो से छुटकारा पाने के लिये आपको योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना होगा, पारिवारिक आयोजनाओं में आप बढ़चढ़ कर हिस्सा लेंगे, बच्चों के कैरियर को लेकर चिन्ता रह सकती है, मानसिक तनाव की स्थिति से छुटकारा मिलेगा, जिस पर विश्वास कर रहे हैं, वे लोग आपका साथ छोड़ सकते हैं.

सिंह

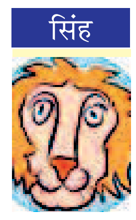

इस सप्ताह नये संपर्क और नये व्यक्ति लाभदायक रहेंगे, आप सिर्फलाभ पर ही ध्यान नहीं देंगे, अपितु रिश्ते बनाने का प्रयास करेंगे, आर्थिक स्थिति में सुधार के कारण दूसरों के कार्य में ध्यान देंगे, किसी कार्य के लिये की गई यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी, अपने लगाव व नजरिये में बदलाव का अवसर मिलेगा, व्यक्तिगत जीवन में कार्य में सामंजस्य से आप कामयाब रहेंगे.

कन्या

आपका यह सप्ताह प्रगति व सफलता लेकर आ रहा है, जो सपने देख रहे हैं, उन्हें पूरा करने की राह बनेगी, अपनी वरिष्ठता और सामर्थ्य से ज्यादा जिम्मेदारी आने से आपका तनाव बढ़ सकता है, समाज में महत्वपूर्ण स्थान बनाने में सफल रहेंगे, कार्यस्थल पर अनिश्चय का माहौल बना रहेगा, संबंधों की फिर से समीक्षा करनी होगी, और दोस्त व दुश्मन में फर्क पहचानना होगा.

तुला

इस सप्ताह निजी संबंधों पर ध्यान देने का भरपूर समय मिलेगा, पुराने दोस्तों से मुलाकातों का दौर चलेगा, किसी भी योजना को आप इस तरह से अंजाम देंगे कि लोग आपकी तारीफकरेंगे, कार्य की अधिकता रहेगी, आपको आय के नये स्त्रोत तलाशना पड़ेंगे, घूमने का कार्यक्रम बन सकता है, दूसरों की मर्यादा का ध्यान रखें, बुजुर्ग व्यक्ति के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है.

वृश्चिक

इस सप्ताह अपनी अभिरूचियों पर खुशियों पर ध्यान देने का अवसर मिलेगा. आप जो चाहते हैं, उसके अनुसार आपके कार्य बनते चले जायेंगे, भाग्य मदद करेगा, हिम्मत और विश्वास से वृद्धि होगी. कैरियर में पहले से अच्छे प्रस्ताव मिलेंगे, आध्यात्मिक व धार्मिक कार्यो में आपकी रूचि बढ़ेगी, तरक्की की उॅचाईयों पर पहुंचेंगे, लेकिन व्यक्तिगत संबंधों को भी पूरा महत्व देंगे.

धनु

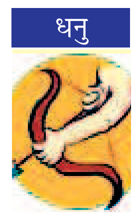

इस सप्ताह अपने प्रयासों और मेहनत की बदौलत अच्छी सफलता मिलेगी, आपका मौलिक चिन्तन आगे बढ़ने में मदद करेगा, कार्यक्षेत्र में आपको निरंतर सफलता मिलेगी, पारिवारिक व निजी जीवन में खुशियों का अनुभव होगा, जो लोगआपके कार्य में अड़चने खड़ी कर रहे हैं, वे सभी सहयोग करेंगे, मेहनत कर लाभ प्राप्त करेंगे, सही निवेश के लिये बड़ों की राय जरूरी है.

मकर

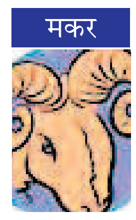

इस सप्ताह परिवार की सुख सुविधाओं पर बड़ा खर्च होगा, जिसे पसंद करते हैं, उसके साथ कुछ समय गुजारकर खुशी मिलेगी, पारिवारिक उत्सवों में प्रसन्नता मिलेगी, उच्च अध्ययन में सफलता के आसार हैं, नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को भी सफलता मिलेगी, विरोधी आपकी गतिविधियों पर नजर रखेगा, कामकाज में सावधानी रखें, अपने बिखरे हुये कार्यो को समेटने में सफलता मिलेगी.

कुम्भ

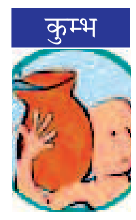

इस सप्ताह सफलता का वास्तविक आनन्द मिलेगा, जिस योजना को लेकर समय से प्रयास कर रहे थे, उसे अंजाम तक पहुंचाने में सफलता मिलेगी, सामाजिक चमक धमक, के साथ सफलता के आसमान पर बढ़ते दिखाई देंगे, नौकरी में स्थान बदलने का मौका मिल सकता है, घूमने फिरने के बहाने रिश्तेदारी में जा सकते है, पर विपरीत असर पड़ सकताहै, उन्नति की संभावना है.

मीन

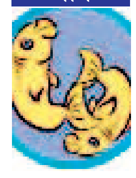

इस सप्ताह आपका पूरा ध्यान अपने कैरियर व भविष्य की योजनाओं की ओर रहेगा, नई योजनाओं को पूरा करने में सभी का सहयोग रहेगा, लोग अपनी बात समझाने में सफल रहेंगे, राह में आ रही मुश्किलों का सामना करने पर कामयाबी मिलेगी, दूसरों की मदद कर मन को खुशी देंगे,कार्यस्थल पर नई शुरूआत का अनुभव होगा. व्यस्तता रहेगी.